“ केंद्रिय और मिशनरी विद्यालय में खेल की सुविधाओं का एक तुलनात्मक अभ्यास ”

डॉ. सुनिता एस. सोनारे
प्राचार्या.
एस.एस.एन.जे. महाविद्यालय, देवळी
मोबाईल नं. ९३७२३२१९२२
sunitasonare306@gmail.com

सारांश :—

प्रस्तुत शोधपत्र में “ **केंद्रिय और मिशनरी विद्यालय में खेल की सुविधाओं का एक तुलनात्मक अभ्यास** ” करने हेतु नागपूर शहर के ४ केंद्रिय विद्यालय और ४ मिशनरी विद्यालय के ८० छात्रों का चुनाव किया गया है।

इस संशोधन के लिए Simple Random पद्धती को चुना गया। प्रश्नावली तथा साक्षात्कार इन संशोधन साधनों द्वारा निष्कर्श प्राप्त किए गए है, केंद्रिय विद्यालय में खेल की सुविधाए अच्छी होनें के कारण विद्यालय में मिले हुए गुणों का प्रतिशत ज्यादा होता है।

प्रस्तावना:—

आज प्रत्येक खेलों में नये—नये आधुनिक उपकरणों का निर्माण अनुसंधान द्वारा बायो—मेकॅनिक के माध्यम से किया जा रहा है। जिससे की खिलाडियों के प्रदर्शन में विकास होता है। इसलिए प्रशिक्षक को खिलाडियों का प्रशिक्षण देते समय आधुनिक उपकरणों की जानकारी तथा उनके माध्यम सें प्रशिक्षण देना चाहिए। जिससे कि खिलाडियों कों स्पर्धा के समय अच्छी प्रकार से लाभ मिल सकें।

उदाहरण जिस प्रकार पोल व्हाल्ट में बांस का पोल उपयोग में लाया जाता था लेकिन अब फायबर का पोल उपयोग में लाया जाता है।

खेल—कूद व स्पर्धा के बाद खिलाडियों को समाज द्वारा इस प्रकार की सुलभता / सुविधाए प्रदान की जाती है। जिनसें की खिलाडी प्रेरित होकर अपने सिखने की प्रक्रिया में परिवर्तन करके अपने व्यवहार में परिवर्तन लाता है। जिससे आगे आनेवाली किसी भी स्पर्धा के प्रदर्शन वह और भी अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करता है। अर्थात सामाजिक सुलभता के द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को बढावा मिलता है।

शारीरिक शिक्षा का स्तर बढाना है तो सबसे पहले यह देखना अति आवश्यक होगा कि शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में सुविधाओं पर कितना ध्यान जा रहा है। इसके बारें में विज्ञान द्वारा शोध करके ही जाना जा सकता है। जैसे मेवली नें कहा है:—

कोई भी खेलकूद बिना सुविधाओं के संपन्न नही किया सकता है। जिसका प्रभाव निष्पादन पर पडता है।

जैसे रनिंग में स्टाटिंग ब्लाक, पोलबाल्ट, फायबर पोल इत्यादी का उपयोग या निर्माण विज्ञान की अनुसंधान विधी के द्वारा ही संभव हो सका है।

हमारे देश में खेल सुविधाओं का वितरण सभी जगहों पर समान नही है। शहरी क्षेत्रो में जहां बहुत सुविधाए तो उपलब्ध है लेकिन ग्रामीन क्षेत्रों में रहनेवाले खिलाडियों को उतनी भी खेल सुविधाएं उपलब्ध नही है और उनके

विकास की और जरा भी ध्यान नही दिया जाता है। जिस कारण से ग्रामीण क्षेत्र में खेल सुविधाओं का सर्वथा अभाव बना रहता है, जिस कारण से ग्रामीन क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाडियों का संपूर्ण सहयोग नही प्राप्त हो पाता है।

आधुनिक काल में खेल की क्रियाएं समाज में अधिक लोकप्रिय होती जा रही है इसलिए समाज में खेलकूद को उतना ही महत्व दिया जा रहा है जितना कि शिक्षा को। विद्यालय में खेल की सुविधाओं का अर्थ भंडार गृह, स्टोर किपर, मैदान, अधिशिक्षक, इंडोर गेम, कमरे, बिजली, सिक्युरिटी, सेफटी, पानी की व्यवस्था, पीने का पानी, प्रथमोपचार शौचालय आदि से है। ‘‘ विद्यालय में खेल के उपकरण रखने के लिए अलग कमरा यानी स्टोर रूम होना आवश्यक है। उपकरणों कों रखने के लिए अलग–अलग स्थान होना चाहिए। लोहे, लकडी रबड तथा सिन्थॅटिक एवं फाइबर ग्लास के उपकरणों को अलग–अलग रखना चाहिए। प्रत्येक विद्यालय उपकरण के ऊपर विद्यालय की मोहर लगी चाहिए। विद्यालय में स्टोर किपर की नियुक्ती होनी चाहिए ताकि वह खेल के उपकरणों की देखरेख तथा लेनदेन के कार्य कों संभाल सके।

विद्यालय के खेल के स्तर को बढानें के लिए मैदान की आवश्यकता होती है। इसलिए विद्यालय में खेल के मैदान का होना बहुत आवश्यक है। आधुनिक काल में खेलों की उपयोगिता सभी जानते है। खेल के मैदान के बिना विद्यालय शुन्य है। आधुनिक में खेल को बढावा देने के लिए शारीरिक शिक्षक एवं अधिशिक्षक नियुक्ति की जानी चाहिए क्योंकि शारीरिक शिक्षक या अधिशिक्षक ही विद्यार्थीयों को खेल के सही कौशल्य सीखा सकते है। विद्यालय में सुरक्षा की भी अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। विद्यालय में इन्डोर गेम जैसे टेबल टेनिस, चेस, कॅरम इत्यादी खेलों को करवाने की सुविधाए होनी चाहीए। विद्यालय में इन्डोर गेम के लिए बिजली की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। विद्यालय के लिए इन सुविधाओं के साथ कुछ कमरे होनी चाहिए जहॉ विद्यार्थी खेलते समय अपना साहित्य रख सके तथा अपनी खेलनी की पोशाख पहन सके तथा बदल सके। कमरें में लॉक की सुविधा होनी चाहिए जिसमें खिलाडियों का सामान सुरक्षित रह सके। विद्यालय में प्रथमोपचार सुविधा का होना भी जरूरी है क्योकी खेलेते समय विद्यार्थीयों को कभी भी चोट लग सकती है। ताकी विद्यार्थीयों प्रथमोपचार मिल सके । विद्यालय में पानी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। पीने के पानी के लिए फिल्टर आदि विद्यालय में लगे होने चाहिए। विद्यालय में अच्छें एवं साफ सुथर शौचालय होने चाहिए।

अध्ययन की पध्दती:–

‘‘ केंद्रिय और मिशनरी विद्यालय में खेल की सुविधाओं का एक तुलनात्मक अभ्यास ” नागपूर शहर के ४ केंद्रिय विद्यालय, जिसमें केंद्रिय विद्यालय वायुसेना नगर, केंद्रिय विद्यालय कामठी, केंद्रिय विद्यालय सी.आर.पी. (हिंगना), केंद्रिय विद्यालय अजनी और ४ मिशनरी विद्यालय संत जॉन हायस्कुल, एस.एफ.एस. हायस्कुल, संत मायकल हायस्कुल, संत अथोंनी हायस्कुल, ये विद्यालय सें आकडे प्राप्त करना है।

अध्ययन केवल ८वी और ९वी कक्षा के विद्यार्थीयों तक सिमित रखा है।

अनुंसंधानकर्ता द्वारा इस अध्ययन कों निम्नलिखित चरनो में पूर्ण किया गया है।

प्रश्नावली की निर्मिती, प्रश्नावली द्वारा तथ्यों का संकलन, विद्यालय में विद्यार्थीयों द्वारा तथ्यों का संकलन, संकलित तथ्यों का विश्लेषण साक्षात्कार पध्दती का चुनाव।

उद्देश:–

स्टोर रूम, स्टोर किपर, अधिशिक्षक, इंडोर, आऊटडोर गेम, कमरे, बिजली, सिक्युरिटी, सेफटी, पानी की व्यवस्था, पीने का पानी, प्रथमोपचार शौचालय आदि को ध्यान में रखकर केंद्रिय और मिशनरी विद्यालय में खेल की सुविधाओं का एक अभ्यास
करना, विद्यालय में खेल की सुविधाए प्राप्त हुई है। यह अनुसंधानकर्ता का प्रमुख उद्देश था। सांख्यिकिय विश्लेषण – न्यादर्शो पर छात्रों से प्राप्त प्रश्नावली कें प्रयोग के जो आकडे प्राप्त हुए है, उनका सांख्यिकिय विश्लेषण करने पर निम्नांकीत परिणाम प्राप्त होते है।

४ केंद्रिय विद्यालय में खेल की सुविधाओं पर आधारित प्रश्नो पर प्राप्त आकडों का विश्लेषण।

अनु. क्र.	विद्यालय का नाम	हॉ	नही	प्रतिशत
१	केंद्रिय विद्यालय वायुसेना नगर	३४	६	८५%
२	केंद्रिय विद्यालय कामठी	३२	८	८०%
३	केंद्रिय विद्यालय सी.आर.पी. (हिंगना),	२८	१२	७०%
४	केंद्रिय विद्यालय अजनी	२८	१२	७०%

उपरोक्त तालिका में वायुसेना नगर के केंद्रिय विद्यालय में खेल की सुविधाए ८५% है। कामठी केंद्रिय विद्यालय में खेल की सुविधाए ८०% है। केंद्रिय विद्यालय सी.आर.पी. (हिंगना), और केंद्रिय विद्यालय अजनी इन दोनो में ७०% खेल की सुविधाए है।

४ मिशनरी विद्यालय में खेल की सुविधाओं पर आधारित प्रश्नो पर प्राप्त आकडों का विश्लेषण।

अनु. क्र.	विद्यालय का नाम	हॉ	नही	प्रतिशत
१	संत जॉन हायस्कुल	३३	०७	८२.५%
२	एस.एफ.एस. हायस्कुल	३०	१०	७५%
३	संत मायकल हायस्कुल	२७	१३	६७.५%
४	संत अथोंनी हायस्कुल	२६	१२	६५%

उपरोक्त तालिका में संत जॉन हायस्कुल में खेल की सुविधाए ८२.५% है। एस.एफ.एस. हायस्कुल में खेल की सुविधाए ७५% है। संत मायकल हायस्कुल में ६७.५% खेल की सुविधाए है और संत अथोंनी हायस्कुल में ६५% खेल की सुविधाए है।

निष्कर्ष:–

प्राप्त जानकारी के आधार से यह निष्कर्ष निकलता है की, केंद्रिय व मिशनरी विद्यालय के ८० छात्रों का अध्ययन करने के बाद मिशनरी विद्यालय के तुलना में केंद्रिय विद्यालय में खेल की सुविधाए अच्छी होने के कारण इन विद्यालय में मिले हुये गुणों का प्रतिशत ज्यादा मिला है।

संदर्भ ग्रंथसुची :–

१. कुमारी शितल घेरवाल, खेल में सामाजिक सुविधाए, (लघुशोध प्रबंध), एच. व्ही. पी. एम. अमरावती,२००५,पृ. ५,९,१०,११.
२. चंद्रशेखर, “शारीरिक शिक्षा में विज्ञान का योगदान”, (लघुशोध प्रबंध), पृ.५

३. संदीप चौधरी, ‘‘भारत के खेल क्षेत्र में पिछडने के प्रमुख कारण” (लघुशोध प्रबंध), पृ.२